10/07/2026 16:32

छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन

26/02/2026

आज दिनांक 26 फरवरी को हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें अंचल के प्रख्यात कवि आमंत्रित किए गए। वे विभिन्न रसों से ओत-प्रोत मौलिक गीत गाकर एवं कविताओं का पाठ करके छात्रों को संदेश दिए और मार्गदर्शन करे।

उपस्थित छात्र –

क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1	जीतु जोशी	[illegible]
2	निशा सिदार	निशा
3	कुन्ती	कुन्ती
	अंजली सिदार	अंजली सिदार
4/5	प्रीति	प्रीति राठिया
6	डिलेश्वरी साहू	Sahu
	राजकुमारी सिदार	Sidar
7	नर्मदा राठिया	Rathia
8/9	लोचकुमारी साहू	[illegible]
10	नरेन्द्र	K Jangde
	उमा साहू	Sahu
11	दामिनी बंजारे	दामिनी बंजारे
12	धनराज चन्द्रा	[illegible]
13	विवेक साहू	Sahu
14	गुलापी राठिया	Rathia
15	टिकेश्वरी गुप्ता	Tikeshwari
16	मंगलासो राठिया	Manglaso
17	राहुल दास	R mahant
18	पुष्पेन्द्र राठिया	[illegible]
19	विनायक पटेल	Vinayak
20	आकांक्षा राठौर	Rathore
21		

DR. R.K. TANDAN
Assistant Professor (Hindi)
Govt M.C. Arts & Sc. College
Raigarh C.G.

Principal
Arts & Science College
Raigarh C.G.

10/07/2026 16:32

(22)	दुर्गेश पटेल	Durgesh
(23)	सुनिता राठिया	Rathia
(24)	पुष्पा नागवंशी	Pushpa
(25)	संतोषी दर्शन	Darshan
(26)	कान्ता प्रसाद	Kanta
(27)	उत्तम कुमार	Uttam
28)	मोनिका राठौर	monika
29)	चाँदनी सिदार	Chandani
30)	ईशा राठिया	Asha Rathia
31)	प्रिया चन्द्रा	प्रिया चन्द्रा
32)	नेहा महंत	नेहा महंत
33)	रीना साहू	Reena
34)	काजल राठिया	Kajal
35)	रुकमणी राठिया	Rathia
36)	विकास रंजन	Vikas
37)	किशन कुमार	[illegible]
38)	रतिराम भारद्वाज	Rathiraj

DR. R. K. TANDAN
Assistant Professor (Hindi)
Govt. M. G. Arts & Sc. College
KHARSIA, Dist Raigarh (C.G.)

क्र. 1 - गुरु
1-
2
3
2. रामखिल
लोर मी
3. - जयंत कुम
आगे फा
4. मिलन म
5 मनमोह
6) Dr. S
7. डॉ.
8 राज
गीत (ठा
(मि
(ए

1.55

क्र. 1 – गुलाब सिंह कंवर 'गुलाब'
1– छत्तीसगढ़ के बेटा अंव
2 – दाई
3 लाबव मुख मुस्कान

2. रामखिलावन महिपाल
तोर महिमा के गीवा मैं हराग बो

3.– जयंत कुमार सनेखना 'कलचुरी'
आगे फागुन तिहार

4. मिलन मलरिहा –

5 मनमोहन सिंह ठाकुर

6) Dr Shabeena Khan

7. डॉ० रमेश टण्डन

8) राजकुमार बघेल (प्रेम प्यार की अविरल धारा, हो तू ईहा भगवान ही)

गीत (ठाकुर) – बात बात म बात बढ़े, बात बिगड़ बात

(मिलन) – आना है बलदार सदा, ए डेविपाल
छोड़ (कुंडलिया)
अबागव हर छोरे ह बनिहो शहर
गरबे वही (हरिगीतिका)।

(टण्डन) – (फूल तितली)

– (फुलझड़ी) –

DR. B. K. TANDAN
Assistant Professor (Hindi)
Govt. M. G. Arts & Sc. College
KHARSIA, Dist Raigarh (C.G.)

Principal
M.G Govt. Arts & Science College
KHARSIA (Dist. - Raigarh) C.G.

प्रेमचंद
कक्ष
छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन
26-02-2026
26/02/2026 12:39

कुल की प्रतिष्ठा भी सद्व्यवहार और विनम्रता से होती है, हेकड़ी और रौब दिखाने से नहीं।" – मुंशी प्रेमचंद
छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन
26.02.2026
26/02/2026 12:35

प्रेमचंद कक्ष
26/02/2026 12:30

हिन्दी विभाग के गौरव

छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन के आयोजन होइस, सुघघर कविता हर सबके मन ला मोह लीस

खरसिया। महात्मा गांधी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया म छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन के आयोजन 26 फरवरी के होइस। छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रचार - प्रसार, विकास, संवर्धन, के बात कवि मन द्वारा कहे गीस। मधुरस कस गुरतुर भाखा खुद बोलव लिखव पढ़व अउ प्रेरित करव, तभे हमर छत्तीसगढ़ी भाषा ल उचित सम्मान मिलही। पढ़ें लिखे लोगन छत्तीसगढ़ी ल नजरअंदाज करथे, लजाथे, छत्तीसगढ़िया हवन छत्तीसगढ़ी हमर पहचान हवय। हम नी बोल बो त का विदेशी मन बोलही? भाषा ल मजबूत और अलग पहचान के खातिर सबो छत्तीसगढ़िया ल आगू आए बर पड़ही। विचार उद्बोधन संग छत्तीसगढ़ी कविता, गीत, छंद, हास्य, श्रृंगार,वीर रस से सराबोर कविता के जोरदार प्रस्तुति हो इस। आज के कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा के कवि साहित्यकार मनमोहन सिंह ठाकुर खरसिया, गुलाब सिंह कंवर गुलाब खरसिया, छत्तीसगढ़ के जानेमाने युवा कवि मिलन मलरिया मल्हार, सुरीला गीतकार,गजलकार, राजकुमार बघेल(बिलासपुर) हास्य कवि राम खिलावन महिपाल सारंगढ़, युवा कवि जयंत कल्चुरी (सोडका) डॉक्टर रमेश टंडन, सब्बो कवि मन बड़ सुघर कविता पाठ करीन। संचालन डॉक्टर टंडन के द्वारा करे गीस। कॉलेज के पढ़ैया लइका मन कवि सम्मेलन के सराहना करीन अउ कवि मन के सम्मान करीन।

खरसिया कॉलेज में छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

कवि मिलन के सुघघर कविता हर सबके मन ला मोह लीस

दबंग दुनिया ◆ खरसिया

महात्मा गांधी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया म छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन के आयोजन 26 फरवरी के होइस। छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रचार प्रसार, विकास, संवर्धन, के बात कवि मन द्वारा कहे गीस। मधुरस कस गुरतुर भाखा खुद बोलव लिखव पढ़व अउ प्रेरित करव , तभे हमर छत्तीसगढ़ी भाषा ल उचित सम्मान मिलही।

पढ़ें लिखे लोगन छत्तीसगढ़ी ल नजरअंदाज करथे, लजाथे, छत्तीसगढ़िया हवन छत्तीसगढ़ी हमर पहचान हवय। हम नी बोल बो त का विदेशी मन बोलही?

भाषा ल मजबूत और अलग पहचान के खातिर सबो छत्तीसगढ़िया ल आगू आए बर पड़ही।

विचार उद्बोधन संग छत्तीसगढ़ी कविता,गीत,छंद, हास्य, श्रृंगार,वीर रस से सराबोर कविता के जोरदार प्रस्तुति हो इस।

आज के कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा के कवि साहित्यकार श्री मनमोहन सिंह ठाकुर,(खरसिया) गुलाब सिंह कंवर गुलाब (खरसिया) छत्तीसगढ़ के जानेमाने युवा कवि मिलन मलरिया, (मल्हार)सुरीला गीतकार,गजलकार, राजकुमार बघेल (बिलासपुर) हास्य कवि राम खिलावन महिपाल (सारंगढ़) युवा कवि जयंत कल्चुरी (सोडका) डॉक्टर रमेश टंडन, सब्बो कवि मन बड़ सुघर कविता पाठ करीन। संचालन डॉक्टर टंडन के द्वारा करे गीस। कॉलेज के पढ़ैया लइका मन कवि सम्मेलन के सराहना करीन अउ कवि मन के सम्मान करीन।

हिंदी विभाग खरसिया में छत्तीसगढ़ी कवि संम्मेलन का भव्य आयोजन

गर्वित मातृ भूमि / वीपीएम कविश्रेष्ठ मिलन मलरिहा ने हरिगीतिका छंद गाकर कवि संम्मेलन में जान डाल दी शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया में दिनांक 26 फरवरी,2026 को छत्तीसगढ़ी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को मातृभाषा छत्तीसगढ़ी के बोलचाल के प्रति संकोच को दूर करने के साथ उसके प्रचार प्रसार को बढ़ावा देते हुए छत्तीसगढ़ी साहित्य के पुस्तकीय ज्ञान को यथार्थ रूप से मार्मिकता के साथ परिचित कराते हुए कवि कर्म एवं रचनात्मकता के प्रति रुचि जागृत करना था द्य हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ देवी सरस्वती की पूजा अर्चना पश्चात छात्राओं अंजली, निशा, राज कुमारी द्वारा राज गीत' अरपा पैरी की धार 'गाकर किया गया द्य कार्यक्रम में आमंत्रित कवियों का स्वागत पारंपरिक रूप से रोली चंदन एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया द्य कवि सम्मेलन का मंच संचालन हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष कार्यक्रम संयोजक कवि डॉक्टर रमेश टंडन ने अत्यंत प्रभाव उत्पादक शैली में किया द्य कवि सम्मेलन में सर्वप्रथम कविता पाठ प्रसिद्ध कवि आदरणीय गुलाब सिंह कंवर ' गुलाब 'ने अपने सुमधुर गीत 'छत्तीसगढ़ के बेटा आव', 'दाई

'तथा 'लावा मुख मुस्कान' के द्वारा अपने भावों को अभिव्यक्त कर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध किया द्य कार्यक्रम की अगली कड़ी में मशहूर क्षेत्रीय कवि श्री राम खिलावन महिपाल जी ने 'तोर महिमा के गांवा मै राग 'गीत के माध्यम से अपने भावों को प्रस्तुति दी द्य युवा कवि जयंत कुमार डनसेना 'कल्चुरी 'ने फागुन त्योहार पर आधारित उमंग और अनुनय विनय से की। अगली प्रस्तुति में जनप्रिय कवि मिलन मलरिहा जी ने संसार की नश्वरता को कुंडलिया छंद तथा गांव के विकास को हरिगीतिका छंद से रचित गीत 'अब गांव के हर छोर ह बनिहै रादा 'के माध्यम से उपस्थित श्रोताओं को आनंदित किया द्य 80 साल के वरिष्ठ कवि मन मोहन सिंह ठाकुर ने टूरा के बात टूरी के बात फोन मे लंबा बात, सास बहू के लिखरी बात और हाली के हालत ह हालत हे आउ का बताओ संगी सर्दी खाँसी ह घालत हे सुनाकर छात्रों को हंसी से सराबोर कर दिया। मंजे हुए कवि राज कुमार बघेल ने प्रेम प्यार की अविरल धारा मिलकर चलो बहाएं और माँ पर गीत सुनाकर सबकी आँखें नम कर दी। आमंत्रित कवियों के साथ-साथ हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर रमेश टंडन ने भी प्रिय के वियोग में व्यथित नायिका की विरह दशा की मार्मिक अनुभूतियों को 'फूल तितली 'और 'फूलझड़ी 'कविता के माध्यम से श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया द्य कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन डॉक्टर शबीना खान द्वारा किया गया द्य कार्यक्रम में हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापिका अंजना शास्त्री और कुसुम चौहान भी उपस्थित थीं द्य कार्यक्रम को सफल बनाने में उनका विशेष सहयोग रहा द्य इस अवसर पर कवि मनमोहन सिंह ठाकुर ने डॉ रमेश टंडन को अपनी काव्य कृति चिरौंजी लाडु भेंट की।